CEDSI
CENTRE OF EXCELLENCE FOR DAIRY SKILLS IN INDIA

CEDSI TIMES

Your Skilling Partner...

गोवा डेयरी किसानों को गणेश चतुर्थी से पहले 7 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन मिला

गणेश चतुर्थी की पूर्व संध्या पर, लगभग 3,200 दूध किसानों वाली सहकारी गोवा डेयरी को राज्य सरकार से 7 करोड़ रुपये का पर्याप्त प्रोत्साहन मिला। गोवा राज्य सहकारी दूध उत्पादक संघ, जिसे आमतौर पर गोवा डेयरी के नाम से जाना जाता है, 172 ग्राम-स्तरीय दूध संग्रह समितियों के नेटवर्क का प्रतिनिधित्व करता है।

दूध उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, राज्य सरकार ने डेयरी किसानों को समर्थन मूल्य प्रदान किया, अप्रैल और मई में आपूर्ति किए गए दूध के लिए 3.6 करोड़ रुपये और जून और जुलाई के लिए 3.3 करोड़ रुपये दिए। डेयरी प्रशासनिक समिति के अध्यक्ष, पराग नागरसेकर ने अप्रैल से जुलाई के लिए लंबित समर्थन मूल्य के वितरण की पुष्टि की, जो पहले प्रशासनिक औपचारिकताओं के कारण विलंबित था। सरकार के इस सक्रिय कदम से डेयरी उद्योग को प्रोत्साहन मिलने, किसानों को लाभ होने और समग्र उत्पादकता बढ़ने की उम्मीद है।

FSSAI ने मिलावट से निपटने के लिए दूध और दूध उत्पादों पर राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण शुरू किया

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने भारत के 766 जिलों में दूध और दूध उत्पादों पर केंद्रित एक व्यापक निगरानी अध्ययन शुरू किया है। इसका उद्देश्य मिलावट से मुकाबला करना है, जैसा कि एफएसएसएआई सलाहकार (गुणवत्ता आश्वासन) सत्येन के पांडा ने पुष्टि की है।

अक्टूबर में समाप्त होने वाले इस सर्वेक्षण में 10,000 से अधिक नमूनों का संग्रह शामिल होगा, जिसकी एक व्यापक रिपोर्ट दिसंबर तक स्वास्थ्य मंत्रालय को सौंपे जाने की उम्मीद है। भारतीय गुणवत्ता परिषद और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड एफएसएसएआई की ओर से अध्ययन कर रहे हैं, जिसमें मिलावट, गुणवत्ता मानकों, संदूषकों, एंटीबायोटिक अवशेषों और सूक्ष्मजीवविज्ञानी संकेतकों के लिए विभिन्न उत्पादों की जांच की जा रही है।

निष्कर्ष खाद्य सुरक्षा और मानक विनियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए सुधारात्मक कार्रवाई रणनीतियों के विकास को सक्षम करेंगे।

सरकार लम्पी स्किन डिजीज से प्रभावित पशुपालकों को मुआवजा देगी

पशुपालकों पर लम्पी त्वचा रोग (एलएसडी) के प्रभाव पर चिंताओं के जवाब में, राज्य सरकार ने प्रभावित लोगों को मुआवजा प्रदान करने का वादा किया है। पशुपालन एवं पशु चिकित्सा प्रभारी मंत्री एएल हेक ने मंगलवार को विधानसभा को आश्वासन दिया कि एलएसडी के परिणामों से जूझ रहे पशुपालकों को मुआवजा दिया जाएगा।

वर्तमान में, राज्य में 9,000 से अधिक मवेशी इस बीमारी से पीड़ित हैं। सरकार चार पशु अस्पतालों और 125 औषधालयों के माध्यम से दवाएं और टीकाकरण प्रदान करके इस संकट से निपटने के लिए कदम उठा रही है।

इसके अतिरिक्त, मंत्री हेक ने अफ्रीकी स्वाइन बुखार के कारण हुए नुकसान के लिए 2020-21 के दौरान किसानों को दिए गए 16,20,000 रुपये के मुआवजे पर प्रकाश डाला। इस बीमारी ने 540 सूअरों की जान ले ली थी। इन आरोपों का जवाब देते हुए कि यह प्रकोप राज्य के बाहर से सूअरों के वितरण से जुड़ा था, हेक ने इस बात पर जोर दिया कि राज्य आत्मनिर्भर नहीं था और उसे बाहरी स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ता था।

सचिव ने दक्षिणी राज्यों में पशुपालन और डेयरी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

पशुपालन और डेयरी क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने वाली एक क्षेत्रीय समीक्षा बैठक आज केरल के तिरुवनंतपुरम में आयोजित की गई, जिसमें दक्षिणी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को शामिल किया गया। केरल राज्य के पशुपालन और डेयरी विकास मंत्री, श्रीमती। जे. चिंचू रानी ने बैठक का उद्घाटन किया, जबकि सचिव (एएचडी), श्रीमती। कार्यक्रम की अध्यक्षता अलका उपाध्याय ने की, उनके साथ अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव और दक्षिणी राज्यों के पशुपालन और डेयरी विभाग के निदेशक भी मौजूद थे।

बैठक के दौरान, सचिव (एएचडी), श्रीमती। अलका उपाध्याय ने 2014-15 से 2021-22 तक (स्थिर कीमतों पर) 7.67% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) तक पहुंचने, पशुधन क्षेत्र की निरंतर वृद्धि पर प्रकाश डाला। इस वृद्धि में मुख्य योगदानकर्ताओं में डेयरी, गोजातीय, मुर्गी पालन, बकरी पालन और सुअर पालन शामिल हैं। पशुधन क्षेत्र ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, 2021-22 में कुल कृषि और संबद्ध क्षेत्र जीवीए (स्थिर कीमतों पर) में लगभग 30.19% का योगदान दिया।

समीक्षा में भारत सरकार द्वारा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कार्यान्वित सभी पशुपालन और डेयरी योजनाओं की भौतिक और वित्तीय प्रगति पर ध्यान केंद्रित किया गया। सचिव (एएचडी) ने अव्ययित शेष राशि का अत्यधिक प्राथमिकता के साथ उपयोग करने की आवश्यकता पर जोर दिया। चालू वित्तीय वर्ष में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को धन जारी करने की सुविधा के लिए भारतकोश के माध्यम से भुगतान पर विरासत डेटा अद्यतन और ब्याज को महत्वपूर्ण मुद्दों के रूप में चिह्नित किया गया था।

समीक्षा में भारत सरकार द्वारा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कार्यान्वित सभी पशुपालन और डेयरी योजनाओं की भौतिक और वित्तीय प्रगति पर ध्यान केंद्रित किया गया। सचिव (एएचडी) ने अव्ययित शेष राशि का अत्यधिक प्राथमिकता के साथ उपयोग करने की आवश्यकता पर जोर दिया। चालू वित्तीय वर्ष में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को धन जारी करने की सुविधा के लिए भारतकोश के माध्यम से भुगतान पर विरासत डेटा अद्यतन और ब्याज को महत्वपूर्ण मुद्दों के रूप में चिह्नित किया गया था।

सतत चारा और चारा उत्पादन पशुधन क्षेत्र के विकास की कुंजी है

बैठक में चारा और चारा उत्पादन के महत्व को रेखांकित करते हुए, भूमि उपयोग को अनुकूलित करने और मूल्यवर्धित चारा प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के लिए एक टास्क फोर्स की स्थापना की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। समीक्षा में आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना, पुडुचेरी, लक्षद्वीप और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह सहित विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वरिष्ठ पशुपालन अधिकारियों ने भाग लिया।

भारत सरकार की पशुपालन सचिव अलका उपाध्याय ने पशुधन क्षेत्र को आगे बढ़ाने में टिकाऊ चारा और चारा उत्पादन की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। कोवलम में पशुपालन और डेयरी क्षेत्रों पर दक्षिणी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए एक क्षेत्रीय समीक्षा बैठक में बोलते हुए, सुश्री उपाध्याय ने साइलेज बनाने और राशन संतुलन कार्यक्रम जैसी मूल्यवर्धित चारा प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने पर जोर दिया, जो डेयरी जानवरों के लिए संतुलित भोजन पर केंद्रित है।

सुश्री उपाध्याय ने राज्यों से टीकाकरण कार्यक्रमों में तेजी लाने का आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि स्वास्थ्य देखभाल प्रावधानों के माध्यम से पशुधन की सुरक्षा विभाग के लिए एक महत्वपूर्ण फोकस क्षेत्र है। देश के पशुधन क्षेत्र ने 2014-15 से 2021-22 तक स्थिर कीमतों पर 7.67% की उल्लेखनीय चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) का प्रदर्शन किया। इसके अलावा, वित्तीय वर्ष 2021-22 में, इस क्षेत्र ने स्थिर कीमतों पर कुल कृषि और संबद्ध क्षेत्र सकल मूल्य वर्धित (जीवीए) में 30.19% का योगदान दिया।

स्थायी चारा और चारा उत्पादन पर बैठक का फोकस देश के पशुपालन और डेयरी उद्योग की भलाई और विकास सुनिश्चित करने के व्यापक लक्ष्य के साथ संरेखित करते हुए, पशुधन क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है।

डॉ. के रत्नम ने कहा, "भारत में डेयरी किसानों को सशक्त बनाने के लिए डेटा-संचालित निर्णय लेना महत्वपूर्ण है"

जागरूकता बढ़ाने के एक संयुक्त प्रयास में, करीमनगर डेयरी ने जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जेआईसीए) और नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड (एनडीडीबी) के साथ मिलकर करीमनगर शहर के रंगिनेनी अपार्टमेंट में एक उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

इस पहल के दौरान, डेयरी उत्पादों के लिए डोरस्टेप डिलीवरी सेवाओं के संभावित कार्यान्वयन और आवासीय परिसरों के भीतर उपभोक्ता संघों के गठन पर चर्चा हुई। ये एसोसिएशन पारंपरिक दुकानों की तुलना में अधिक बजट-अनुकूल दरों पर बेहतर डेयरी उत्पादों तक सुविधाजनक पहुंच सुनिश्चित करेंगे।

इस आयोजन में एक सलाहकार, प्रबंध निदेशक, विपणन प्रबंधक, परियोजना प्रबंधन सलाहकार और एनडीडीबी के एक प्रतिनिधि सहित प्रमुख हस्तियों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। उनका सामूहिक मिशन निवासियों को निजी डेयरियों से मिलावटी दूध और दूध उत्पादों के सेवन से जुड़े संभावित खतरों के बारे में शिक्षित करना था। इसके बजाय, उन्होंने उच्च-गुणवत्ता, शुद्ध विकल्प चुनने के महत्व पर जोर दिया।

जेआईसीए ने पारिवारिक स्वास्थ्य और पोषण को बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए, इन उपभोक्ता संघों में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी की वकालत की है। इसके अलावा, उन्होंने ज़ोमैटो और स्विगी जैसी लोकप्रिय खाद्य वितरण सेवाओं के माध्यम से इन उत्पादों को वितरित करने की संभावना का पता लगाया, जिससे पहुंच और सुविधा में और वृद्धि होगी।

यह सहयोगात्मक प्रयास करीमनगर और उसके बाहर उपभोक्ता जागरूकता और गुणवत्तापूर्ण डेयरी उत्पादों तक पहुंच में सुधार के व्यापक लक्ष्य के अनुरूप है।

असम के राज्यपाल ने उन्नत दूध संग्रह केंद्रों के माध्यम से डेयरी किसानों को सशक्त बनाने की वकालत की

असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने पशुपालन और पशु चिकित्सा विभाग से दूध संग्रह केंद्रों के नेटवर्क को मजबूत करने का आग्रह किया है, जिसका लक्ष्य डेयरी किसानों को सशक्त बनाना और यह सुनिश्चित करना है कि उन्हें अपने दूध का इष्टतम मूल्य मिले।

उन्होंने विभाग से प्रधानमंत्री की परिकल्पना के अनुसार किसानों की आय दोगुनी करने के दृष्टिकोण के साथ जुड़कर किसानों तक पहुंचने के अपने प्रयासों में तेजी लाने का आग्रह किया। राज्यपाल कटारिया ने किसानों को उनकी कृषि पद्धतियों के अलावा पशुपालन, मुर्गीपालन, डेयरी उत्पादन में शामिल करके इस दृष्टिकोण की संभावित प्राप्ति पर प्रकाश डाला।

राजभवन में हाल ही में एक समीक्षा बैठक में, असम के पशुपालन और पशु चिकित्सा मंत्री अतुल बोरा की उपस्थिति के साथ, राज्यपाल कटारिया ने डेयरी क्षेत्र को मजबूत करने के लिए सहकारी समितियों की स्थापना और मजबूती पर जोर दिया राज्यपाल कटारिया ने मत्स्य पालन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास सहित अन्य विभागों की गहन समीक्षा की. आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने में मत्स्य पालन विभाग के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने राज्य के मत्स्य पालन क्षेत्र के भीतर विकास की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने इसके विकास के उद्देश्य से विभिन्न योजनाओं के महत्व को रेखांकित करते हुए, उद्यमशीलता उद्यम और स्वरोजगार के अवसर पैदा करने में क्षेत्र की क्षमता का उल्लेख किया।

व्यापक समीक्षा बैठक के दौरान विभाग के प्रमुख सचिव मनीष ठाकुर ने विभाग की गतिविधियों का गहन विवरण प्रस्तुत किया. प्रस्तुतिकरण में राज्य की पशुधन आबादी, विभागीय सुधार और बुनियादी ढांचे, रसद, जनशक्ति और चिकित्सा सहित सेवा वितरण प्रणाली में वृद्धि पर प्रकाश डाला गया। केंद्र और राज्य प्रायोजित दोनों योजनाओं की स्थिति और उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला गया।

सीईडीएसआई ने लैक्टेलिस - अनिक डेयरी फील्ड पदाधिकारियों के लिए उन्नत दूध खरीद अपस्किलिंग प्रशिक्षण आयोजित किया

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर डेयरी स्किल इंडिया (सीईडीएसआई) ने हाल ही में लैक्टालिस - अनिक डेयरी के फील्ड पदाधिकारियों के लिए दो दिवसीय उन्नत दूध खरीद अपस्किलिंग कार्यक्रम आयोजित किया। 21 सितंबर से 22 सितंबर तक मध्य प्रदेश के देवास में आयोजित यह कार्यक्रम उन्नत दूध खरीद तकनीकों में प्रतिभागियों की विशेषज्ञता को बढ़ाने और परिष्कृत करने के लिए डिजाइन किया गया था। कार्यक्रम में इंटरैक्टिव सत्र शामिल हैं, जिसका उद्देश्य उपस्थित लोगों को क्षेत्र में नवीनतम ज्ञान और सर्वोत्तम प्रथाओं से लैस करना है। यह पहल डेयरी उद्योग के भीतर उत्कृष्टता और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए सीईडीएसआई की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

सीईडीएसआई ने प्रभात डेयरी के गुणवत्ता विभाग के लिए दूध खरीद विशेषज्ञता को बढ़ाया

गुणवत्ता विभाग की दक्षता बढ़ाने और दूध खरीद मानकों को ऊंचा उठाने के लिए एक सहयोगात्मक प्रयास में, भारत में डेयरी कौशल उत्कृष्टता केंद्र (सीईडीएसआई) ने श्रीरामपुर, महाराष्ट्र में एक व्यापक दो दिवसीय उन्नत दूध खरीद प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। भारत में प्रतिष्ठित लैक्टालिस समूह के एक महत्वपूर्ण घटक, प्रभात डेयरी के कार्यबल को लक्षित करते हुए, इस पहल का उद्देश्य परिष्कृत प्रथाओं के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाले दूध के उत्पादन को बढ़ाना है। 15 और 16 सितंबर को आयोजित प्रशिक्षण, दूध खरीद प्रक्रियाओं को उन्नत करने के लिए कर्मचारियों को उन्नत कौशल और महत्वपूर्ण ज्ञान से लैस करने पर केंद्रित था। सीईडीएसआई के औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम संगठनात्मक विकास और सफलता के लिए सहायक उत्प्रेरक के रूप में खड़े हैं, जो भारत में डेयरी उद्योग की नींव को मजबूत करते हैं।

हम कौन हैं?

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के तहत भारतीय कृषि कौशल परिषद (ASCI) के तत्वावधान में काम करने वाली एक स्वायत्त संस्था "सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (CEDSI)", किसानों की आजीविका के सशक्तिकरण और बेहतरी में मदद करने के लिए, वेतनभोगी कर्मचारी, और डेयरी मूल्य श्रृंखला में अन्य हितधारक।

सीईडीएसआई सदस्यता उद्योग के नेताओं, नीति निर्माताओं, विकास चिकित्सकों, डेयरी वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, छात्रों और किसानों को डेयरी उद्योग के लिए आसन्न महत्व के मुद्दों पर बहस और चर्चा करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेगी।

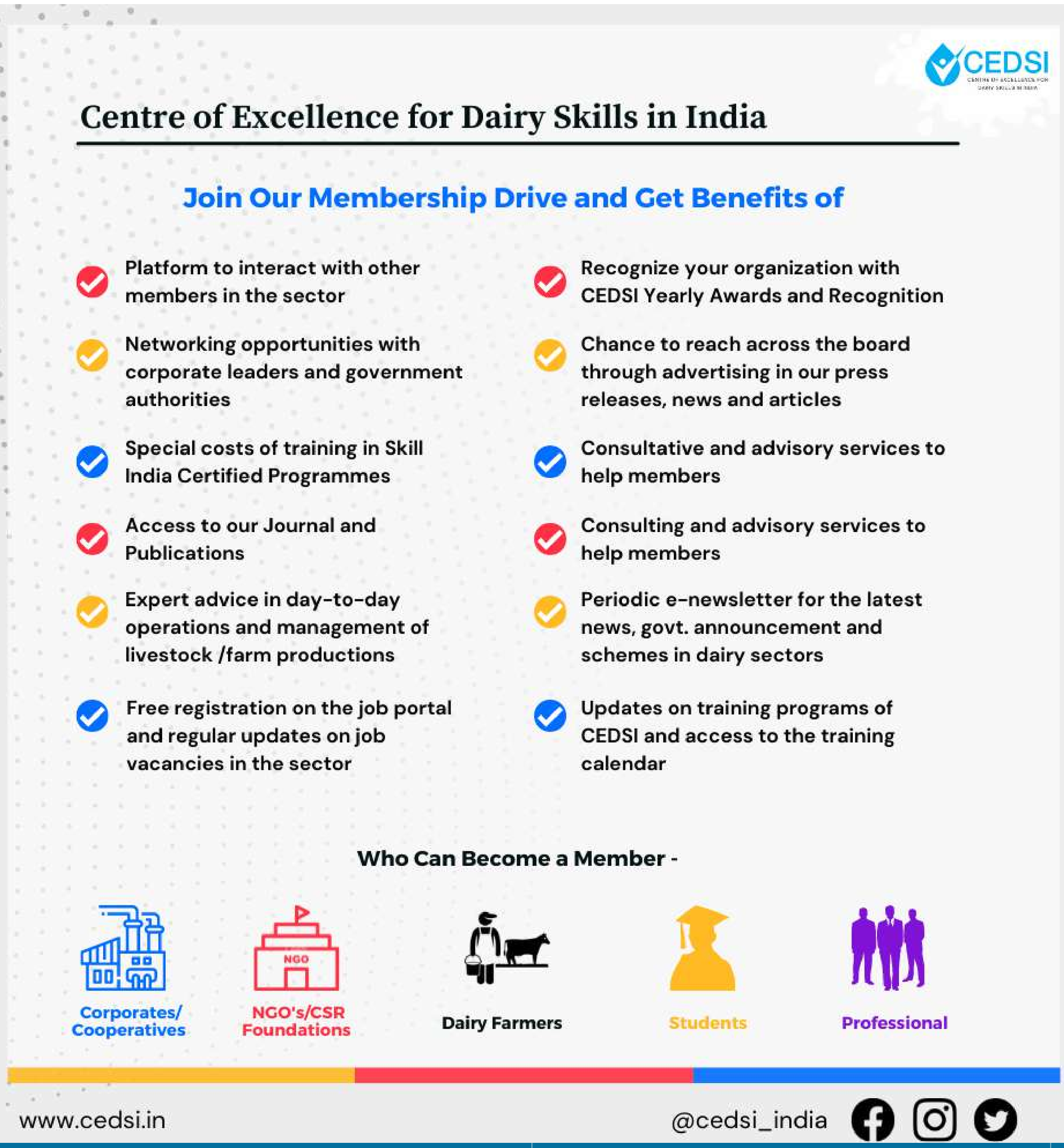

CEDSI : रिविविंग स्किल्स एंड जनरेटिंग लाइवलीहुड

किसानों/छात्रों/उद्यमियों के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- डेयरी किसान / उद्यमी
- डेयरी फार्म पर्यवेक्षक
- डेयरी कार्यकर्ता
- पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता
- कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन
- पशु चिकित्सा क्षेत्र सहायक
- पशु चिकित्सा नैदानिक सहायक
- बछड़ा पालन
- कृषि उपकरण तकनीशियन
- डेयरी फार्म अर्थशास्त्र और प्रबंधन
- उद्योग संरेखित प्रमाणन कार्यक्रम (बेरोजगार युवा और छात्र)

एफपीओ उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम

- उत्पाद प्रौद्योगिकी और प्रक्रियाओं पर एफपीओ सदस्य अभिविन्यास।
- एफपीओ मार्केट लिंकेज
- एफपीओ शासन
- एफपीओ लेखा

डेयरी कॉरपोरेट्स और सहकारी समितियों के लिए प्रमुख कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- चिलिंग प्लांट तकनीशियन
- बल्क मिल्क कूलर ऑपरेटर
- ग्राम स्तरीय दुग्ध संग्रह केन्द्र पर्यवेक्षक
- दूध परीक्षक
- ग्रीन हाउस गैसों का शमन
- दूध की गुणवत्ता आश्वासन
- मिल्क डिलीवरी बॉय
- दूध खरीद और इनपुट पर्यवेक्षक
- डेयरी उद्योग में अपशिष्ट प्रबंधन
- चारा और चारा प्रबंधन
- स्वच्छ दूध उत्पादन
- निर्णय समर्थन प्रणाली / डेटा विश्लेषिकी

सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया